तापमान
अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 11 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 24 मार्च, 2025

11 फिट इंडिया फ्रीडम रन में दौड़े ग्रामीण दिखा जुनून

12 गुरुकुल शिक्षा प्रणाली हमारे संस्कारों की जननी

पुलिस की क्राइम यूनिट टीम ने दिखाई सक्रियता

महंत से 20 लाख रंगदारी मांगने वाला पकड़ा, सरपंच पर फायरिंग भी कबूली

- बुटाना निवासी सचिन उर्फ बॉक्सर के खिलाफ चार जिलों में दर्ज हैं मुकद्दमें
- राई खेलकूद स्कूल के पास से किया गया काबू
- 10 दिन पहले गांव के सरपंच पर फायरिंग का भी आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭| सोनीपत

जींद के गांव खरकरामजी स्थित निराकार ज्योति मंदिर के महंत सुखबीर दास से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने, गांव के सरपंच पर फायरिंग करने सहित दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्तता के आरोपित को क्राइम यूनिट सेक्टर-27 की टीम काबू किया है। आरोपित सचिन उर्फ संचित उर्फ बॉक्सर गांव बुटाना का रहने वाला है। पुलिस टीम ने आरोपित को राई स्थित खेलकूद स्कूल के पास से अवैध डोगा बंदूक व दो कारतूस सहित गिरफ्तार किया है।

एसीपी राजपाल सिंह ने बताया कि क्राइम यूनिट सेक्टर-27 की टीम प्रभारी अनिल पवार के नेतृत्व में देर रात ऑपरेशन आक्रमण के तहत राई खेलकूद स्कूल के पास गश्त कर रही थी। टीम ने सूचना के आधार पर गांव बुटाना निवासी सचिन उर्फ संचित उर्फ बॉक्सर को डोग बंदूक और दो कारतूस सहित गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ राई थाना में अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया है कि उसने 10 दिन पहले अपने गांव के सरपंच पर फायरिंग की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी युवक को अदालत में पेश किया जाएगा।

आरोपी युवक से डोग बंदूक और दो कारतूस मिले

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिस अधिकारी।

जूनियर मुक्केबाजी में जीत चुका है पदक

सीआईए सेक्टर-27 प्रभारी अनिल पवार ने बताया कि सचिन उर्फ बॉक्सर बेहतर मुक्केबाज रहा है। उसने जूनियर में राष्ट्रीय स्तर पर रजत व राज्य स्तर पर दो स्वर्ण पदक जीते थे। बाद में गलत संगत में पडकर अपराध की दुनिया में चला गया। अनिल पवार ने बताया कि आरोपी ने वर्ष 2019 में पहली वारदात की थी। उसके बाद सोनीपत, पानीपत, जींद, भिवानी में आरोपी खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, लूट समेत 13 मुकदमे दर्ज हैं।

बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी

आरोपी सचिन उर्फ बॉक्सर ने गांव खरक रामजी निराकार ज्योति मंदिर के महंत सुखबीर दास से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। उन्होंने 14 मार्च को सदर थाना जींद को बताया था कि एक महीने पहले युवक मंदिर में आया था और रंगदारी मांगी थी। 13 मार्च को आरोपी ने कॉल कर खुद को बुटाना निवासी सचिन बताकर कहा था कि अब तक उसका काम नहीं किया है। एक सप्ताह में काम नहीं करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। 14 मार्च को फिर व्हाट्सएप कॉल कर 20 लाख रुपये मांगे थे।

ये मामले दर्ज हैं

- 14 मार्च को जींद में रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज
- 2020 में जींद में हत्या के मामले में नामजद हुआ।
- 2020 में गोहाना में गाड़ी लूट का मुकदमा दर्ज हुआ।
- 2020 में गोहाना में अवैध शस्त्र अधिनियम में केस
- 2020 में जींद में शस्त्र अधिनियम के महम केस
- 2020 में पिल्लूखेड़ा में हवाई फायर करने का केस
- 2020 में जींद में हत्या की कोशिश का मुकदमा
- 2020 में जींद में हत्या करने की कोशिश व हवाई फायर का केस
- 2020 में जींद में हत्या करने का प्रयास, झगड़े का केस
- 2020 में गन्नौर में मारपीट करने व धमकी का केस
- 2020 में सदर भिवानी में चोरी का केस दर्ज हुआ
- 2020 में पानीपत के सिनौली में मारपीट व धमकी का केस
- 2019 में गोहाना थाना में चोरी का मुकदमा दर्ज

इंजीनियर के क्रेडिट कार्ड से उड़ाए 2 लाख 12 हजार 800 रुपये

गन्नौर। आनलाइन ठगों ने टेहा गांव में रह रहे एक इंजीनियर के क्रेडिट कार्ड से 2 लाख 12 हजार 800 रुपये उड़ा लिए। इंजीनियर ने इसकी शिकायत थाना बड़ी में दी है। शिकायत में कृष्ण कुमार सिंह निवासी कछवा रोड, वाराणसी, उत्तरप्रेदश ने बताया कि वह अब टेहा गांव में किराये पर रहता है। वह एक निजी कंपनी में बतौर इंजीनीयर कार्यरत है। 21 जनवरी को वह अपने कमरा पर था। इस दौरान उसके मोबाइल पर उसके बैंक के क्रेडिट कार्ड से 74 हजार 900 रुपये व 1 लाख 37 हजार 900 रुपये कटने का मैसेज आया। जिसके बाद उसने तुरंत इसकी शिकायत 1930 पर दर्ज करवाई। कृष्ण ने बताया कि उसके खाते से कुल 2 लाख 12 हजार 800 रुपये निकाल लिए।

चलते कैंटर से गेहूं चोरी करने का प्रयास, पता लगने पर भागा युवक

गोहाना। शहर में पश्चिमी मिनी बाईपास पर कैंटर से गेहूं चोरी करने का प्रयास किया गया। राहगीर ने चालक को इस बारे में बताया। उसने कैंटर को रोका तो युवक भाग गया। गांव रभड़ा के राजेश मलिक ने पुलिस को बताया कि वह मलिक ट्रांसपोर्ट के नाम से कार्यालय कर है। वह शुक्रवर को कैंटर में गेहूं भरकर गोहाना से सोनीपत जा रहा था। पश्चिमी मिनी बाईपास पर मोर चौक से होकर महम फाटक की तरफ जा रहा था। राहगीर ने इशारा करके बताया कि एक युवक कैंटर से गेहूं से की बोरी उतारने की कोशिश कर रहा है। उसने कैंटर को रोककर युवक को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह भाग गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कबीर बस्ती का युवक का नाम मोनू उर्फ चीची है।

भाजपा संगठन में पद लेने 175 कार्यकर्ताओं ने आवेदन किया

गोहाना। कार्यकर्ताओं के आवेदन स्वीकार करते हुए प्रभारी और सह प्रभारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭| गोहाना

रविवार को भाजपा संगठन के गोहाना जिला के कार्यकर्ताओं की सिंचाई विभाग के विश्रामगृह पर बैठक हुई। जिला की नई कार्यकारिणी गठित करने के लिए आवेदन मांगे गए। इसके लिए नियुक्त प्रभारी बरोदा हलका के पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना और सह प्रभारी परमवीर सैनी ने प्रक्रिया पूरी कराई। संगठन में पद हासिल करने के लिए 175 कार्यकर्ताओं ने आवेदन किए। प्रभारी रामफल चिड़ाना ने कहा कि निष्ठावान व मेहनती कार्यकर्ताओं को संगठन में प्राथमिकता दी जाएगी। परमवीर सैनी ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इस मौके पर बलराम कौशिक, भूपेंद्र मुदगिल, नरेंद्र गहलावत, ओमप्रकाश शर्मा, प्रवीण कश्यप, संतराम वाल्मीकि, जगबीर जैन, सुमित कक्कड़ व डा. राममेहर राठी उपस्थित रहे।

34 बार ट्रांजेक्शन करवाकर ठगे 18 लाख

- गांव सेरसा के युवक को झांसे में लेकर साइबर ठगों ने बनाया निशाना
- टेलीग्राम पर घर से काम करने का निमंत्रण दिया गूगल टास्क भेजकर पूरा करने को कहा

हरिभूमि न्यूज ⏭| सोनीपत

गांव सेरसा के युवक को झांसे में लेकर साइबर ठगों ने 18 लाख रुपये ठग लिये। पीड़ित को मोटी कमाई का झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित के बयान पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांव सेरसा निवासी राहुल ने साइबर थाना पुलिस को बताया कि

उनके मोबाइल पर एक नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया और टेलीग्राम पर घर से काम करने का निमंत्रण दिया गया। उन्होंने उनके पास गूगल टास्क भेजकर उन्हें पूरा करने को कहा। उन्हें एक टास्क पूरा करने को 50 रुपये दिए जाते थे। बाद में उन्हें प्रीपेड टास्क में कमाई का झांसा दिया। उनसे दो हजार रुपये जमा कराकर 28 सौ रुपये दिए। फिर पांच हजार व बाद में 2200 और जमा कराकर 10800 रुपये दिए गए। उसके बाद नौ हजार रुपये लिए गए। उसके बाद एक साथ 3 टॉस्क देने की बात कही। उनसे 1.40 लाख रुपये लेकर 1.96 लाख देने को कहा गया। बाद में रुपये निकालने के दौरान कहा कि तुमसे गलती हो गई है। ऐसे में 1.80 लाख रुपये देने होंगे। यह राशि देने पर एक हजार रुपये ही दिए। साथ ही कहा कि गलती के कारण तुम्हारा खाता वर्ष 2039 तक बंद हो गया है। इसे चालू करने को 2.80 लाख रुपये मांगे। उसके बाद हर बार नया बहाना बनाकर उनसे 34 बार में 18 लाख रुपये हड़प लिए गए। यहां तक की उन्हें कहा गया कि आपके खाते में 25 लाख रुपये से ज्यादा है तो 7.71 लाख और देने होंगे। तभी सभी रुपये मिलेंगे। उनसे 1 मार्च से 5 मार्च के बीच रुपये लिए गए। ठगी का पता लगने पर उन्होंने पुलिस को बताया।

कैंटर की चपेट में आया युवक, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭| सोनीपत

मुरथल स्थित ढाबे के पास लघुशंका को जा रहे युवक को कैंटर ने चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गांव जाखौली निवासी सुंदर ने बताया कि वह अपने फोर-व्हीलर में फूल लेकर गन्नौर के गांव चिरस्मी गए थे। उनके साथ उनका क्लीनर गांव सेवली निवासी मुकेश भी थे। रात को वापस आते समय मुरथल के पास मुकेश ने गाड़ी रुकवा ली और लघुशंका के लिए जाने लगे। तभी कैंटर ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मुरथल थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

HAPPY CHILD SR. SEC. SCHOOL, SONIPAT
(An English Medium, Affiliated to CBSE, New Delhi)
80835-00007, 89508-09781 | Email : hcgisonipat@gmail.com | Website : www.happychildschool.org
MEHLANA ROAD, OPP. SEC-23 WATER SUPPLY TANK, SONIPAT

FEATURES
- Dedicated & Experienced Staff
- Experiential Learning
- Indoor & Outdoor Games
- Govt. Approved Boxing Academy
- Modern Labs & Classrooms
- Excellent CBSE Results
- Well Stocked Library
- Co-curricular Activities & Value Based Learning
- Mobile App for parents
- GPS Based Transportation

REQUIRED
- PGT- PHYSICS
- TGT- English, Hindi and Sanskrit, Science
- PRIMARY- English, EVS
- Pre -Primary Teachers
- Others - DPE ,Yoga & Dance Teacher (F)

Supporting Staff- DRIVERS, GUARDS, COOKS, SWEEPERS
Interested candidates may mail their resume at : hcgisonipat@gmail.com
Shortlisted candidates will be Called for the interview

ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26
PPI to IX & XI
All Streams
SCIENCE
HUMANITIES
COMMERCE

Narender Balyan (Chairman)

खोखराकोट

रोहतक शहर में खोखराकोट, एक प्राचीन स्थल है, जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है और यह यौधेय गणराज्य की राजधानी थी। इसकी खुदाई में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 11वीं शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएं मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं। खोखराकोट से यौधेय शासनकाल के सिक्के और मुहरें मिली हैं, जो प्राचीन भारत में सिक्के ढालने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हैं। रोहतक को पहले रोहतासगढ़ कहा जाता था और यह नाम दो पुराने स्थलों के खंडहर स्थलों (खोखराकोट) पर लागू होता है।

लोक साहित्य की धरोहर हैं पं. रामसरूप सिटावली

सांगी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी का लोक साहित्य समृद्ध रहा है, जिसकी परम्परा बड़ी वैभवशाली है। इसमें हमेशा से सांग और भजन विशेषतः उल्लेखनीय रहे हैं। प्राचीन काल से ही भजनियों के द्वारा समाज के बीच जाकर भजनों से जागृति पैदा करने का रिवाज रहा है। जबकि हरियाणा की प्रसिद्द नाट्य विधा सांग के माध्यम से

साँगियों ने जन-मानस के मनोरंजन के साथ-साथ ऐतिहासिक और पौराणिक कथानकों से उन्हें अवगत करने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

हरियाणा के सुप्रसिद्ध सांगियों की इस गौरवशाली परम्परा में ही एक नाम है पंडित रामसरूप भारद्वाज सिटावली। पंडित रामसरूप भारद्वाज का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गाँव सिटावली में 16 मार्च 1916 को हुआ। जनमानस में रामसरूप सिटावाली के नाम से जाने-जाने कवि पंडित रामसरूप का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पंडित बदलूराम और माता का नाम भागोदेवी था। उन्होंने सोनीपत जिले के गाँव जुआं के राजकीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। युवावस्था में इनका विवाह छोटी देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन लड़के पंडित दयानंद शर्मा, पंडित राम रतन शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा व दो लड़कियां राममूर्ति देवी और लक्ष्मी देवी हुई। पंडित रामसरूप बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थे। उनका नाम कक्षा के मेधावी छात्रों में लिया जाता था। उन्होंने बचपन से अपने मन के भावों को कविता के रूप में अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया था। उनकी आवाज भी मधुर और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली थी। उन्हीं दिनों को याद करते हुए एक बार उनके सहपाठी रहे मास्टर नवल सिंह और गामड़ी निवासी टीका राम ने बताया था कि एक बार सुप्रसिद्ध कवि पंडित

लख्मीचंद सांग करने के लिए गांव सिटावली आए हुए थे। उनके सांगों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, एक दिन पंडित रामसरूप भी वहां चले गए। पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था। उन्होंने इस संबंध में अपनी एक रचना में उल्लेख किया है...

श्री लख्मीचंद गुरु ने धरया बिघनी नाम छांट कै
रामसरूप सिटावली आलां मारै तरले पाट कै।

उन्होंने लगभग दस सालों तक जनमानस के लिए सांग और भजन की प्रस्तुति मंचों से दी। लेकिन दुर्भाग्यवश उनका गला खराब हो गया और उन्होंने सांग करना छोड़ दिया। आजीविका चलाने के लिए पंडित रामसरूप पंडित चिरंजी लाल वकील जो कि पूर्व स्पीकर रहे कुलदीप शर्मा के पिता थे, उनके यहां मुंशी के पद पर काम करते थे। उसी दौरान एक दिन पंडित रामसरूप कुछ लिख रहे थे कि इतने में बाहर से चिरंजीलाल आ गए तो उन्होंने वह कागज अपनी जेब में डाल लिया। इस पर चिरंजीलाल ने कहा कि कविराज! मुझे भी दिखाओ, ऐसा क्या लिख रहे थे जो आप मेरे आते ही छुपा रहे हो तो पंडित रामसरूप ने मना किया। पर बार-बार आग्रह करने पर वह कागज उन्हें दे दिया जिस पर लिखा था....

जुलम करै या गवर्नमेंट दे दे पास वकीलां नै
सच पूछो तो भारत देश का कर दिया नास वकीलां नै

यह पढ़कर चिरंजीलाल ने उनकी बहुत सराहना की और बोले आपने बिल्कुल सच्चाई लिखी है। इसके बाद वर्षों तक उनका लेखन जारी रहा। स्वास्थ्य खराब होने के चलते 10 दिसंबर 1976 को पंडित रामसरूप का निधन हो गया। पंडित रामसरूप ने अनेक भजन ,उपदेशक, ब्रह्म ज्ञान के छंद, सोरठे व सांगों की रचना की है। उनके द्वारा जुलाई 1968 में प्रकाशित 'सांगीत कृष्ण का भात' कृति के पृष्ठ आवरण के अनुसार उन्होंने कृष्ण का भात, नल का जन्म, मंदा रानी का दिसोटा (भाग एक), नल गजमोतिन, नरसी का भगत, सती मनोरमा (भाग एक और दो), बजरंग दे (भाग एक और दो), नर सुल्तान निहाल दे (भाग एक,दो और तीन), निहालदे के परवाने, निहालदे सती, सती शीलादे (भाग एक और दो), कृष्ण रुक्मणी सांगों की रचना की। इसके अतिरिक्त हीर रांझा, बीजा सोरठ सांगों की भी लिखें हैं। पंडित रामरतन शर्मा जो पंडित रामसरूप के बेटे हैं और उनकी रचनाओं को समाज की अमानत मानकर सहेजे हुए हैं, के अनुसार उनके द्वारा बनाए गए सांग चंदा भाई, रघुवीर कौर और धर्मपाल शांता कुमारी सांग आज उपलब्ध नहीं हैं।

गौरतलब है कि पिता के संस्कारों के ही प्रभाव से रामरतन शर्मा भी हरियाणवी भजन और रागनियों की रचना करते हैं और एक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पंडित रामसरूप के लिखे सांग और भजन हरियाणा के विभिन्न लोक गायकों द्वारा गाए गये हैं तथा उनकी रचनाएं यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं। रामरतन शर्मा और संस्कृतिकर्मी पंकज शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित रामसरूप के शिष्यों में पंडित लक्ष्मीनारायण, जंगली दास, जगन लाल (नैना), फूल सिंह (खेड़ा), चंदगीराम (पिनाना), रामकिशन रोलद (पिनाना), धन्ना सिंह (सनखेड़ा),शेर सिंह (जुआं), सूरजभान (सिटावली) ने नाम शामिल उल्लेखनीय हैं। जबकि पंडित रामस्वरूप के सांगों से प्रभावित होकर कंवर सिंह (निलोठी), रामचरण (गुमड़), रामकिशन (पिनाना), मेहर सिंह (पुरखास) और जिले सिंह (बरोना) भी उनके शिष्य बने।

पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को अपना गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था।

पंडित रामसरूप के रचना संसार में जहां विविधता के दर्शन होते हैं वहीं बेहतरीन काव्य सौष्ठव भी दृष्टिगोचर होता है। जनसामान्य की भाषा को अपने काव्य में मजबूती से प्रयोग करके वे लोगों के मन तक पहुंचते हैं। उनके काव्य में छंद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट दिखती है तो अलंकार स्वतः प्रष्फुटित होते प्रतीत होते हैं। उस पर भी आध्यात्म, देशप्रेम, लोकाचार, जन संवेदना और कर्तव्यबोध उनकी रचनाओं की विशेषता रहे हैं। पंडित रामसरूप अपनी पारिवारिक स्थिति और गुरु से प्राप्त सन्देश का उल्लेख करते हुए लिखते हैं...

लख्मीचन्द गुरू जी जो कहगे वाहे होगी बात सही
इब रामसरूप सिटावली आला टोहे जा कोय चीज नई
भाई पांच मरे मेरे आगै माता बी स्वर्ग सिधार गई
क्यां की खात्तर के करना न्यूं सोच हरि की शरण लई

एक रचना में उन्होंने परमात्मा को चेताते हुए लिखा है ...

सबके मन की जाणण आला नाम तेरा यू अन्तरयामी
भगत तेरे की हीणी होज्या वा भी सै तेरी बदनामी

पंडित रामसरूप के जन्म के समय देश गुलामी से त्रस्त था। उस समय की परिस्थियों का प्रभाव भी उनकी लेखनी पर पड़ा है। भगत सिंह की बहादुरी पर वे कहते हैं ...

भगत सिंह नै जब गोला मारया असेम्बली थर्राई
भाज कई कुर्सी नीचै बडगे कदे दे ज्या सकल दिखाई।

देश की आजादी पर उनकी खुशी उनकी रचना के माध्यम से देखिए...

शुभ घड़ी आज आग्यी म्हारी दया करी भगवान नै
गोरे डरते भाज गए छोड़ कै हिन्दुस्तान नै

एक रचना में सामाजिक एकता का सन्देश देते हुए उनकी पंक्तियाँ प्रभावित करती हैं ...

न्यारे-न्यारे पाटण मै ना होवै थारा गुजारा
घणी सींख मिलकै आपस मै सरकादें पत्थर भारा

भारतीय समाज की मान्यता लोकाचार देखें ....

गुरु लख्मीचंद धर्म क्षत्री का रामस्वरूप के याद करवा गऊ ब्राह्मण साधु की खातर जान चली जा तै के परवाशीश कटा कै, गऊ छुटा कै, हो ज्या बात वसूल ....

महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के प्रसंग का वर्णन करते हुए उनका एक दोहा प्रस्तुत है...

सुन सैरन्ध्री की बात को हो गया विश्वास
उत्तरा कुमारी पहुंच गई वृहन्नला के पास

रामायण में कैकेयी की वीरता और राम वनवास का वर्णन करते हुए कहते हैं ...

केकैयी दशरथ गैल्यां आप चढ़या करती रण मै
धुरी टुटी हाथ अडाया पीड घणी हुई तन मै
सही राजी होके बचन भरे थे जो धारण करी थी मन मै
वे बचन मांग फेर कढा दिये थे श्री रामचन्द्र जी वण मै

समाज को सन्देश देते हुए उन्होंने लिखा है .....

भुंडा भुंडी करया करै सदा भले पुरुष के संग
जैसे चन्दन कै लिपटया रहै ना तजता जहर भुजंग
कदे नीच नै छेडै ना चाहे कितना करले तंग
जैसे पत्थर पड़े कीच मै वो उच्छल बिगाड़ै अंग

पंडित रामसरूप सिटावली के विस्तृत साहित्य संसार से रूबरू होकर निश्चित हो जाता है कि उन्होंने अपने साहित्य से हरियाणवी को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उनकी रचनाएँ समाज को प्रेरित करती हैं। निसंदेह ऐसे लोककवि हरियाणवी लोक साहित्य की धरोहर हैं जो किसी को भी हरियाणवी की ओर आकर्षित करते हैं तथा हरियाणा को गर्वित करते हैं।

कविता | सत्यवीर नाहड़िया

चोल्ला नै बदनाम करैं ये...

चोल्ला नै बद्नाम करैं ये, पाप हुवै जो भारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

एक बखत था बाबा पग-पग, फरज निभाया करते।
धरम-करम का मरम खोल कै, वे समझाया करते।
कदे नहीं बहकाया करते, पुज्जैं थे नर-नारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

नये दौर के न्यारे बाबा, नित जो ढोंग फलावैं।
अपणे दुक्ख मिटैं कोन्या पर, जग के दुक्ख मिटावैं।
भगत बावळे बढ़ते जावैं, ढोंग-करम न्यूँ जारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

चेल्ले कम अर चेल्ली ज्यादा, नीयत घणी डिगावैं।
कुछ दिन पाच्छै पोल खुलै तै, बंद जेळ म्हं पावैं।
भोळी जंता नै भरमावैं, बणकै खुद अवतारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

किरपा अटकी कोय उतारै, चटणी हरी खुवाकै।
कोये कष्ट मिटावै सारे, धूळी चरण दिवाकै।
कोये दे ताबीज़ बणाकै, कुछ बण ग्ये ब्योपारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

बोट्टां खात्यर नेता सारे, इन्नै सीस नवावैं।
अंधभगत सभ देक्खा-देक्खी, इन्नै पुज्जे जावैं।
कह 'नाहड़िया' ढोंग रचावैं, कला सीख ल्यी न्यारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

कविता | आशा खत्री 'लता'

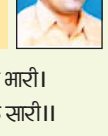

पणिहारिण स्याणी

जिस कूए का मीठा पाणी,
उड़े तैं भरै पणिहारिण स्याणी।

जितणा हो उतने मैं सारै,
दुखी करया करै चीज बिराणी।

घर-घर हांडै होठ पीटती,
उसनै कह सब धक्के खाणी।

आपणे घर मैं सुथरी लगै,
आपणे राजा के संग राणी।

माँ बाप्पा की पैड़ पै चालै,
छोटा बालक बेटी याणी।

गैर टैम सज-धज कै लिकड़ै,
लोग कहवैं उसनै गिरकाणी।

भले घरां तैं कदै डिगै ना,
आ बैठ अर मीठी बाणी।

कहै 'लता' ढंग तैं चाल्लै तै,
घर मैं सुरग तार ले प्राणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक तथ्य | **14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने नए किले का निर्माण किया था, जहां वर्तमान में किला मोहल्ला आबाद है**

रोहतक नगर के भव्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी मौजूद

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

रोहतक एक प्राचीन नगर है जिसका साक्ष्य खोखरा कोट स्थल है। खोखरा कोट के उत्खनन से सदियों पुराने सिक्के आदि प्राप्त होते रहे हैं। यहां पर न केवल खोखरों द्वारा निर्मित दुर्ग था बल्कि प्राचीन रोहतक नगर की आबादी भी उसी स्थल के इर्द-गिर्द थी।

विभिन्न पुरातत्वविदों द्वारा समय-समय पर खोजबीन करने पर रोहतक के प्राचीन होने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होते रहते हैं। वर्तमान नगर की आबादी सल्तनत काल में स्थानान्तरित हुई प्रतीत होती है। क्योंकि 14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने एक नए किले का निर्माण कर लिया था जहां आजकल किला मोहल्ला आबाद है। उसी किले पर कन्धार के पठानों व शेखों आदि का नियन्त्रण बना रहता था तथा इर्द-गिर्द नई आबादी बस गई। रोहतक के किले पर वर्ष 1412 में मलिक ईदरीश तथा उसके भाई मुबारिज खान का अधिकार था। उस वर्ष सैयद वंश के खिजर खान ने रोहतक के किले पर धावा बोला था जो कई मास के घेरा डालने के बाद सफल हुआ था। लेकिन मलिक ईदरीश ने खिजर खान को एक मुश्त राशि देकर किले पर अपना नियन्त्रण ही बनाए रखा, जो लगभग 20 वर्षों तक रहा। तारीख-ए-मुबारक शाही में उपरोक्त ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। उसके बाद मुगल काल में रोहतक परगने का मुखिया शमशेर खां नामक अधिकारी रहा। यद्यपि रोहतक के उस ऐतिहासिक किले के अब कोई अवशेष बाकी नहीं हैं, उस स्थान पर केवल एक मोहल्ला आबाद है। लेकिन 1870 में डेविड बेगलर नामक अंग्रेज ने रोहतक के किले का बाह्य चित्र लिया था जो अभी भी उपलब्ध है। वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग किया गया था, जो ऐतिहासिक पुस्तकों में दर्ज हो गया। किले के आस-पास के निवासी रांघड़ व पठान बबरखां के नेतृत्व में संगठित हो गए और किले मे आवश्यक युद्ध सामग्री इकट्ठी की गई थी। इसका

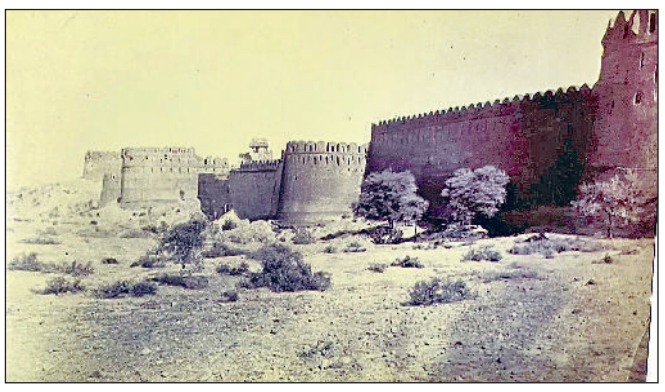

रोहतक के किले का वास्तिवक चित्र जो कि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग हुआ

दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को पता चला तो उन्होंने हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक आक्रमण के लिए भेज दी। किले में ग्रामीण रांघड़ों के अतिरिक्त बगावत करके आई हुई फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री यानि पहली हल्की पैदल सेना बटालियन भी थी। इस प्रकार 17 अगस्त 1857 से 2-3 दिनों तक रोहतक के किले के बाहर अंग्रेज सेना से युद्ध हुआ था। अन्ततः जीन्द राजा द्वारा भेजे गए सैनिकों आदि की सहायता से हड़सन का पक्ष विजयी रहा। उल्लेखनीय है कि फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री बटालियन मुख्यतः रोहतक कलानौर क्षेत्रों के रांघडों व पठानों द्वारा गठित थी, जो अंग्रेज सेना का अंग होती थी। इसी प्रकार अंग्रेजों का शासन स्थापित होने पर उन्होंने रोहतक, महम, हांसी तक का क्षेत्र दुजाना के नवाब को प्रदान कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र की जनता से वह लगान वसूल नहीं कर पाया और भिवानी में दुजाना नवाब के लड़के का वध कर दिया। तब बोहर वासियों द्वारा दुजाना नवाब के दामाद का कत्ल कर देने पर नवाब ने इस क्षेत्र का स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। 1810 में अंग्रेजों ने भिवानी में इकट्ठे हुए ग्रामीणों के साथ युद्ध किया तथा उपरोक्त समस्त क्षेत्र को 1810 से एक नया जिला बना दिया। इसको शिमाली जिले का नाम दिया गया तथा एडवर्ड गार्डिनर को जिलाधीश बनाकर हांसी मुख्यालय स्थापित किया गया जबकि 1818-1820 में गोहाना-खरखौदा परगनों के स्वत्रन्त्र होने पर अंग्रेजों ने 1824 से रोहतक को एक स्वतन्त्र जिला बना दिया। उल्लेखनीय है कि गोहाना-खरखौदा परगनों पर तब तक सिख शासकों का अधिकार था। इसी प्रकार वर्ष 1858 से झज्जर व बहादुरगढ़ रियासतों के जब्त होने पर रोहतक जिले में फिर से एक बार प्रशासनिक परिवर्तन किया गया था।

गौकर्ण तालाब के पास 500 वर्ष पुरानी इमारत, जोकि रोहतक के प्राचीन होने का साक्ष्य है। यहां अरबी भाषा में लिखा शिलालेख भी मौजूद है

सांस्कृतिक विरासत को संजोने में फिल्में अहम : विजय तंवर

कलाकार | **ओ.पी पाल**

भारत एक संस्कृतिक देश है, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति का अपना अलग महत्व है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने में कलाकार, गीतकार, साहित्यकार और लेखक अपनी अपनी विधाओं में साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही फिल्म जगत में अपनी कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखने का संदेश देते आ रहे कलाकार विजय तंवर ने अभिनेता के साथ फिल्म निर्देशक की भूमिका में लोकप्रियता हासिल की है। फिल्मों के अलावा धारावाहिक व वेबसीरिज के निर्माण में जुटे फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे तथ्यों को भी उजागर किया, जिसमें फिल्मों के क्षेत्र में कला और संस्कृति के आधार पर निर्मित फिल्मों से सामाजिक विरासत को संजोना संभव है।

विजय तंवर का जन्म 15 दिसंबर 1965 को गुरुग्राम जिले के गांव करोला में जगदीश सिंह तंवर और भगवती देवी के घर में हुआ। इनके पिता भारतीय नौसेना में थे। पिता के साथ रहते हुए ही उन्होंने अपनी स्कूली और कालेज की शिक्षा मुंबई में ही ग्रहण की। उनके परिवार में उन्हें अभिनय या संगीत का माहौल तो नहीं मिला, लेकिन वह स्कूल में अपनी म्यूजिक क्लास के दौरान थोड़ा गाना बजाना कर लिया करते थे। इसी कारण स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे। दसवी कक्षा के दौरान मुंबई में उन्होंने

तीन फिल्मों त्रिशूल, नास्तिक, रॉकी इत्यादि की शूटिंग को देखा तो उनके मन में काम करने का जज्बा पैदा हुआ। खासकर शूटिंग के दौरान सभी प्रमुख अभिनेता समेत सभी कलाकार निर्देशक से लेकर तकनीकी टीम को सम्मान देते हैं और निर्देशक के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने सम्मान की खातिर फिल्म जगत में किसी भी ऐसी भूमिका के लिए उत्सुकता महसूस की। इसलिए वह फिल्म निर्देशकों और प्रोडयूसरों के दफ्तरों के चक्कर काटकर उनसे मेलजोल बढ़ाने लगे। फिल्म क्षेत्र में काम करने के लिए ही विजय तंवर ने सामाजिक कार्य में प्रोफेशनल मास्टर डिग्री, फिल्मोग्राफी, फिल्म मेकिंग में कोर्स भी किये। फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने बताया कि ग्रेज्युएशन के दौरान कुछ प्रोड्यूसर, डायरेक्टरों से संबंध मजबूत हुए तो सहायक निर्देशक के रूप में काम मिल गया। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई कोर्स तो नहीं किया था, इसलिए भरोसा जमाने के लिए चार पांच साल लग गये। उन्हें पहली फिल्म मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उसके बाद पांच फिल्मों में काम किया, जिनमें दो रिलीज हो पाई। उनके सहायक निर्देशन में पहली रिलीज होने वाली फिल्म 'अधूरी सुहागरात' थी। दूसरी फिल्म मोहब्बत मेरा नसीब थी, जिसमें अनुपम खेर, सुरेश ओबरॉय, मोहनीश बहल, पुनीत इस्सर आदि रहे। इसके बाद बागी औरत फिल्म में उन्होंने काम किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 52 एपिसोड का सीरियल 'दास्ताने हातिम ताई' किया। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में तीन और सीरियल किये, जिनमें द ग्रेट मुगल, इन्तेहा और स्पेशल टास्क फोर्स के नाम शामिल हैं। उन्हें एक हरियाणवी फिल्म 'छोरी नट की' में भी काम करने का मौका मिला। तंवर को हिंदी फिल्म 'गुड्डू' में भी सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का मौका मिला।

फिल्म कलाकार विजय तंवर का कहना है कि युवाओं को लोक कला संगीत, अभिनय संस्कृति के प्रेरित करना चाहिए, जिसके लिए वह भी करते आ रहे हैं। कला के माध्यम से ही संस्कृति हमारे जीवन में संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, सिनेमा, फोटोग्राफी रूप में अभिव्यक्ति पाती है। इस युग में युवाओ को लोक कला, संगीत, अभिनय, रंगमंच जैसी संस्कृति के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, जो सामाजिक परिदृश्य को संरक्षित या मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। भले ही नए तकनीक संचार के उपयोग के कारण युवा अधिक ध्यान दे रहे हों, लेकिन अपनी संस्कृति के मान सम्मान से ही वे अपनी सामाजिक विरासत को संजोए रख सकते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

विजय तंवर के निर्देशन में समाज में बालिकाओं की स्वीकार्यता पर आधारित निर्मित लघु फिल्म 'दिशा' को 25 से भी ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार मिल चुके हैं। तंवर को मिले प्रमुख पुरस्कारों में दादा साहब फाल्के अवार्ड के अलावा मराठवाडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मुंबई, काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गंगटोक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, एशियन टेलेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रील्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, सेवन सिस्टर नॉर्थ ईस्ट इंटर नेशनल फिल्म फेस्टिवल, उमरेड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जलगांव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा रोशनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आदि में पुरस्कार मिले हैं।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

गन्नौर। दातौली में आपसी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। घायल ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। दातौली गांव के सचिन ने बताया कि करीब दो साल पहले उसकी साहिल से कहा-सुनी हुई थी। उसी रंजिश को लेकर 22 मार्च को शाम जब वह पंखा लेने मिस्त्री श्याम के पास जा रहा था, तभी साहिल के बड़े भाई विक्की ने रास्ता रोककर उस पर चाकू से वार कर दिया। जिसके बाद विक्की फरार हो गया।

2 किलो 102 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

गन्नौर। थाना गन्नौर पुलिस की टीम ने 2 किलो 102 ग्राम चरस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुनील निवासी गांव पांची गुजरान का रहने वाला है। गन्नौर थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि एएसआई जसबीर ने पुलिस टीम के साथ गुप्त सूचना पर आरोपित सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोपित के थैले से 2 किलो 102 ग्राम ग्राम चरस बरामद हुई।

खेत में बने कमरे से तीन बैट्री चुराई

गोहाना। गांव जौली में खेत में बने कमरे से तीन बैट्री चोरी कर ली गई। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। संजय ने पुलिस को बताया कि उसके खेत हाईवे के निकट हैं। उसने खेत में कमरा बना रखा है और वहां पर इनवर्टर पर तीन बैट्री लगाई गई थीं। शुक्रवार को वह खेत में गया तो कमरे का ताला टूटा मिला। चोर यहां से तीन बैट्री चोरी कर ले गए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सब्जी विक्रेता घायल

गोहाना। सोनीपत रोड स्थित एकांत होटल के निकट स्कूटी सवार सब्जी विक्रेता को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। शहर थाना में केस दर्ज किया गया। आदर्श नगर में रहने वाले सुभाष चंद्र ने पुलिस को बताया कि वह नई सब्जी मंडी में सब्जी बेचने का काम करता है। वह शाम को सब्जी बेच कर स्कूटी पर घर की तरफ आ रहा था। एकांत होटल के निकट पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने स्कूटी मारी, जिसे वह घायल हो गया।

घड़वाल गांव में मां-बेटे से मारपीट, केस दर्ज

गोहाना। गांव घडवाल में बच्चों में कहासुनी हो गई। एक बच्चे ने दूसरे को धक्का देकर कीचड़ में गिरा दिया। स्वजन शिकायत करने गए तो मां-बेटे से मारपीट की गई। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। चंद्रकला ने पुलिस को बताया कि उसका पोता रोते हुए घर आया और बताया कि सुभाष के भांजे ने उसे धक्का देकर कीचड़ में गिरा दिया। वह सुभाष के यहां शिकायत लेकर गई तो उससे मारपीट की गई। उसके बेटे प्रवीन को झगड़े का पता चला तो वह भी शिकायत लेकर गया। उससे भी मारपीट की गई। मां और बेटे ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया।

खरखौदा से संदिग्ध हालात में युवक लापता

खरखौदा। शहर के वार्ड एक की आदर्श नगर कालोनी से युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश भी की, लेकिन उसके बारे में कहीं पता नहीं चल पाया। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है। मोनू का कहना है कि उसके बड़े भाई सोनू घर पर बगैर किसी को कुछ बताए कहीं चला गया। वह अपने स्तर पर सोनू की हर जगह तलाश कर चुके हैं, लेकिन सोनू का कहीं पर भी पता नहीं चल सका है।

संगठन ने चलाया नशा विरोधी अभियान

गोहाना। आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार को गांव कटवाल में नशा विरोधी अभियान चलाया गया। नेतृत्व मास्टर हिम्मत व अशोक द्वारा किया गया। मास्टर हिम्मत व अशोक ने कहा कि नशा सामाजिक बुराई है इसके खिलाफ आवाज बुलंद करो, स्लोगन लिखवाकर घरों की दीवारों पर लगाए गए। कार्यक्रम में महावीर, खुशीराम, राजेंद्र, जयनारायण, अजमेर, जिले सिंह, राकेश, वीरेंद्र, संसार सिंह आदि मौजूद रहे।

शहीदी दिवस पर जुआं में स्व. चौ. खजान सिंह व स्व. रामसिंह पहलवान की याद में किया आयोजन

फिट इंडिया फ्रीडम रन में दौड़े ग्रामीण, दिखा जीत का जुनून

- प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने दीप प्रज्वलित कर किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्यातिथि प्रो. सुदेश छिक्कारा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

स्व. चौ. खजान सिंह व स्व. रामसिंह पहलवान की याद में शहीदी दिवस पर गांव जुआं में फिट इंडिया फ्रीडम रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता की विभिन्न स्पर्धाओं में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि के रूप में पहुंची बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सभी को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. सुदेश छिक्कारा ने युवाओं को फिट रहने का संदेश दिया। उन्होंने बेटियों को भी खेलों में प्रतिभागिता कर अपना व परिवार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में आगे बढ़ने वाली खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय की तरफ से भी भरपूर सहयोग दिया जाएगा, अगर वह विवि में दाखिला लेना चाहती हैं तो वहां भी उन्हें छूट दी जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए ग्रामीणों में जीत का जुनून नजर आया। इस दौरान साई प्रशिक्षक एवं आर्मी से सेवानिवृत्त बलवंत छिक्कारा, राजबीर छिक्कारा, संजीत पहलवान, राकेश, वेद सिंह, बुद्ध सिंह छिक्कारा, दिनेश, दीपक, नरेंद्र सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं के यह रहे परिणाम

रस्साकशी (महिलाएं) : पूनम की टीम विजेता व बबीता की टीम उपविजेता बनी।
अविवाहितों की दौड़ : सतबीर ने प्रथम, रूपा ने द्वितीय व राजेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
धीमी साइकिल दौड़ : सोनू ने पहला, अंशुल ने दूसरा व हार्दिक ने तीसरा स्थान हासिल किया।
50 से 60 आयुवर्ग की दौड़ : प्रताप ने प्रथम, रामकिशन ने द्वितीय व जसबीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
बेलन थ्रो (महिलाएं) : बबीता पहले, सविता दूसरे व आशा तीसरे स्थान पर रही।
नींबू दौड़ : नेहा ने प्रथम, मासूम ने द्वितीय व रीनम ने तृतीय स्थान हासिल किया।

स्वयंसेवकों ने लगाया शिविर, 71 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए विधायक निखिल मदान।

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में एनएसएस इकाई द्वारा शहीदी दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने किया। एनएसएस के सहयोग से एनसीसी, वाईआरसी और यूनिवर्सिटी आउटरिच टीम ने शिविर को सफल बनाया, जिसमें क्राइम कंट्रोल एंड ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन, रोड सेफ्टी क्लब और इन्नर व्हील क्लब का विशेष सहयोग रहा। कॉलेज की छात्राओं व स्टाफ ने भी रक्तदान किया। विधायक निखिल मदान ने रक्तदान को महादान बताते हुए लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। मेयर राजीव जैन ने रक्तदान को जीवनदायिनी सेवा बताया। प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने आयोजन में सहयोग देने वालों का आभार जताया और इसे नियमित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रमोद कटारिया, एनएसएस प्रभारी रूचिका विरमानी, एनसीसी प्रभारी ले. प्रियंका, वाईआरसी काउंसलर डा. पूजा गुलाटी, अन्य गणमान्य अतिथि और समाजसेवी उपस्थित रहे।

सर्व धर्म मित्र मंडली ने किया नमन

शहीदों को नमन करते मंडली के पदाधिकारी।

सोनीपत। सर्व धर्म मित्र मंडली द्वारा शहीदी दिवस पर अमर शहीदों को नमन किया गया। इस अवसर पर मंडली के अध्यक्ष राजेंद्र बंसल ने कहा कि महान क्रांतिकारी सेनानियों के कारण ही आजादी मिली जिससे हम आजाद हवा में सांस ले रहे हैं। हमे स्वतन्त्रता सेनानियों को याद करना चाहिए, उनके द्वारा दी गई कुर्बानी कभी भुलाई नही जा सकती। इस मौके पर कुम्हार गेट के पूर्व प्रधान कृष्ण ने कहा अंग्रजो को भगाने के लिए युवा सेनानियों ने जीवन दांव पर लगा दिया। इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार, श्रीकृष्ण झांब, राजकुमार शर्मा, शिवांक, पार्थ, ओमप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

दादा मोहनदास धाम में शहीदी दिवस मनाया

शहीदों को नमन करते हुए बाबा विजय नाथ एवं अन्य।

सोनीपत। लहराड़ा स्थित दादा मोहनदास धाम में शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया गया। महंत योगी बाबा विजयनाथ महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में शहीदों को नमन किया गया। बाबा विजयनाथ ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव ने देश को अत्याचार से मुक्त करवाने के लिये अपने प्राण त्याग दिए थे। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। इस मौके पर संजय बैयांपुर, रणबीर सिंह, कमल गौड़, देवीनाथ, शम्भूनाथ, सुनील बैरागी आदि मौजूद रहे।

समिति के सदस्यों ने शहीदों को किया नमन

गोहाना। ग्राम सुधार समिति खन्दराई द्वारा समिति कार्यालय में शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का 95वां शहादत दिवस मनाया गया। समारोह में समिति के सदस्यों ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष जगमहेंद्र सिंह ने की। देश की आजादी में इन वीर शहीदों की कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समारोह में समिति के सदस्य प्रताप सिंह, बिट्टू कश्यप, कुलदीप मेहरा, बिजेंद्र सिंह, राहुल, अमीर, कृष्ण कश्यप, आर्यन व दिवयांश ने शहीदों को श्रद्धांजलि देकर उनके पद्चिहनों पर चलने का संकल्प लिया।

पौधारोपण कर शहीदों को नमन

सोनीपत। शहीदी दिवस के अवसर पर सेक्टर-11 स्थित गोपाल एनक्लेव में इनेलो के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष कुणाल गहलावत, युवा जिलाध्यक्ष विकास मलिक, एडवोकेट अमित मलिक, एडवोकेट विक्रमजीत अहलावत, साहिल छाबड़ा, प्रदीप राठी, साहिल बंसल, मोहित कुण्डू, पंकज, भानूज राठी, सौरभ त्यागी सहित अन्य ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कुणाल गहलावत ने भगत सिंह जी के महान बलिदान को स्मरण किया। विकास मलिक ने कहा उनका जीवन हमें त्याग, निष्ठा एवं बलिदान की प्रेरणा देता है।

शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए संगठन के पदाधिकारी।

सोनीपत। छोटूराम धर्मशाला में ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉमरेड देवेंद्र सिंह ने की और संचालन भारत ने किया। मुख्य वक्ता कॉमरेड ईश्वर सिंह दहिया ने भगत सिंह की विचारधारा को गैर-समझौतावादी बताते हुए समाजवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। अमित कुमार ने शिक्षा प्रणाली में बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त की। सभा में वीरेंद्र सिंह ने गीतों के माध्यम से क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर इंदर सिंह, निरंजन, बलवान सिंह, बलबीर सिंह, सचिन, गिलेश, हितेश, सनी, सुमित, अनु, वंदना, आभा, आयुष, ईशान सहित कई युवा उपस्थित रहे।

जागृति स्थल पर हवन कर बलिदानियों को किया याद

शहीदों को नमन करते हुए बाबा विजय नाथ एवं अन्य।

खरखौदा। बलिदानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते डॉ अनिल दहिया व अन्य।

खरखौदा। थाना कलां मार्ग स्थित जागृति स्थल पर हवन यज्ञ कर बलिदानियों को नमन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय दहिया जागृति महासभा के तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर डा. अनिल दहिया ने कहा कि दादा कुशाल सिंह ने गुरु तेग बहादुर के शीश को मुगल सैनिकों से बचाने के लिए अतुलनीय कुर्बानी दी थी। उन्होंने खुद अपना शीश काटकर सैनिकों को सौंप दिया, ताकि असली शीश को सुरक्षित रूप से आनंदपुर साहिब पहुंचाया जा सके। बलिदानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे सभी भारत माता के वीरों को वह नमन करते हैं। इस अवसर पर ब्लॉक चेयरमैन सितेंद्र, धर्मबीर दहिया, मास्टर करतार सिंह, पूर्व सरपंच मनजीत, विनय, कर्मपाल, आनंद गोपालपुर, सतीश आदि मौजूद रहे।

गोहाना: 61 नागरिकों ने रक्तदान से शहीदों को श्रद्धांजलि दी

गोहाना। रक्तदान करते मास्टर राजेश लठवाल व अन्य।

गोहाना। शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीदी दिवस और दैनिक लंगर, रोटी बैंक कपड़ा बैंक का 7वां साल शुरू होने पर रविवार को बस स्टैंड, गोहाना में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 61 रक्तवीरों ने रक्तदान करके शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर राजेश लठवाल चिड़ाना ने की। उन्होंने 22वीं बार रक्तदान किया। 23 मार्च 2019 शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह के सुपौत्र यादवेंद्र सिंह संधू ने बस स्टैंड गोहाना में दैनिक लंगर, रोटी बैंक और कपड़ा बैंक का शुभारंभ किया था। रविवार को शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह लाइब्रेरी चिड़ाना, सज्जन सेवा संघ और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड गोहाना द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। विशेष सहयोग आर्य समाज से सत्यवीर आर्य, मास्टर रमेश मेहता, मास्टर सेवा सिंह, अन्नु सहरावत, यश लठवाल, सुरेंद्र लठवाल का रहा। शहीद भगत सिंह ब्रिगेड से जीतू पहलवान जागसी, मनस्वी, राजकुमार गुप्ता, मास्टर सुनील लाठर, जितेन्द्र मण्ढाण सिवानका, पवन मोहाना, अंकित दूहन, मांगे राम, भगवान व पूनम विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शहीदों के पदचिन्हों पर चलें : जैन

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा है कि देश का युवा शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के पदचिन्हों पर चलकर ही नशे की बुराई को जड़ से खत्म कर सकता है। राजीव जैन दिल्ली कैम्प सिथत शहीद भगत सिंह चौक पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। राजीव जैन ने गीता विद्या मंदिर कॉलेज में क्राइम कण्ट्रोल एंड ह्यूमन राइट्स संस्था द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में युवाओं का हौसला बढ़ाया। मशाल जुलुस में भी भाग लिया।

शहीदी दिवस पर फरमाना में हुई बुजुर्गों की दौड़ में श्रीपाल रहे प्रथम

गोहाना। शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते मोहन गहलोत।

खरखौदा। फरमाना में भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके उनके बलिदान को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दादा सोमनाथ मंदिर से तिरंगा यात्रा निकाली, जो मुख्य मार्ग से होते हुए राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरमाना के समीप शहीद स्मारक पर पहुँची। जहां सुप्रसिद्ध समाजसेवी मोहन गहलावत (रिढ़ाऊ), अठगामा प्रधान सतबीर नंबरदार, विभिन्न गाँवों के सरपंच, जयदीप गहलावत प्रधान कर्मयोगी वेल्फेयर सोसायटी, शहीद भगत सिंह टीम व ग्रामवासियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले तिरंगा झंडा फहराया गया। शहीदों की याद में दौड़ प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। 60 साल से ऊपर की 200 मीटर दौड़ में 2100 का पहला पुरस्कार श्रीपाल,1100 का दूसरा पुरस्कार दलबीर तथा 500 का तीसरा पुरस्कार पंडित जसपाल ने जीता। 50 से 60 साल की 400 मीटर दौड़ में पहला ईनाम (2100) जसबीर, दूसरा ईनाम (1100) जगबीर, तीसरा ईनाम (500) अशोक और विशेष प्रोत्साहन ईनाम (500) राजू को दिया गया। 800 मीटर दौड़ में पहले स्थान पर रहे धावक को 1100 तथा 3 अन्य धावकों को 500 - 500 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। तिरंगा यात्रा में शामिल एनसीसी कैडेटस को बधाई सरूप 1000 की राशि प्रदान की गई। मौके पर सरपंच जगदीश, नरेश, धर्मवीर, सुखबीर नंबरदार, आशीष प्रधान आदि मौजूद रहे।

शहीदों के सम्मान में ही राष्ट्र का सम्मान : इंदुराज

गोहाना। गांव बरोदा में जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक इंदुराज नरवाल।

- बरोदा हलका के विधायक इंदुराज नरवाल ने अपने कार्यालय में जनसभा को संबोधित किया

गोहाना। बरोदा विधानसभा के विधायक इंदुराज नरवाल ने कहा कि शहीदों के सम्मान में ही राष्ट्र का सम्मान है। शहीद हमारे राष्ट्र की आन, बान और शान हैं। उनका हमेशा सम्मान करें। वे रविवार को शहीदी दिवस पर गोहाना में अपने कार्यालय पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि हमारे शहीदों ने देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। ऐसे में उनसे बड़ा देशभक्ति कोई दूसरा नहीं हो सकता। इस दृष्टि से शहीदों के सम्मान में ही राष्ट्र का सम्मान है। विधायक ने ग्रामीण युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के पद्चिहनों पर चलते हुए अपने देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार करें। इंदुराज ने कहा कि बरोदा हलका की जनता ने उनको दोबारा विधायक बनाकर सेवा का अवसर प्रदान किया। वे प्रत्येक गांव में 29 मार्च से धन्यवादी दौरा शुरू करेंगे। ये दौरे 30 अप्रैल तक चलेंगे।

राष्ट्र को सशक्त बनाए रखने के लिए संघर्ष और बलिदान अनिवार्य : संदीप

गोहाना। कार्यक्रम में शहीदों को नमन करते हुए विद्यालय संचालक एवं अन्य।

- दिल्ली विद्यापीठ स्कूल में आर्यवीरदल के तत्वावधान में शहीद दिवस का आयोजन

सोनीपत। आर्यवीर दल सोनीपत एवं दिल्ली विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में शहीद दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं, आर्यवीर-वीरांगनाओ ने गीत, भजन, नाटिका के द्वारा शहीदो के अमर बलिदान को याद किया। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए संदीप आर्य दर्शनाचार्य ने कहा कि संघर्ष और बलिदान राष्ट्र को सशक्त बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। अमर शहीदों ने स्वतंत्रता के महान लक्ष्य को लेकर जिस अनुपम आदर्श की स्थापना की थी वह सभी युवाओ के लिए सदा अनुकरणीय रहेगा। दिल्ली विद्यापीठ के संचालक वीरसिंह सैनी ने शहीदो को श्रद्धांजली देते हुए राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए सतत जागरूक रहने का आह्वान किया। समाज को अपना इतिहास कभी नहीं भूलना चाहिए, वह हमारा प्रेरणास्रोत होता है। ये विचार रखते हुए जिला संचालक भगतसिंह ने इस भव्य आयोजन के लिए विद्यालय समिति का धन्यवाद किया। कार्यक्रम मे लगभग 300 लोगो ने उपस्थित होकर राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया। कार्यक्रम में रवीन्द्र आर्य, दीपक तलवाड़, रोहिणी आर्या, अजय आर्य, कनिष्क आर्य, शुभम आर्य उपस्थित रहे।

वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

छात्रों को किया सम्मानित

- छात्रों के विकास के लिए किया कार्यक्रम बहुत सराहनीय : मुखीजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

राई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए छात्र व छात्राएं।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में किया गया। जिसमें शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में विविध वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जिसमें नृत्य, संगीत एवं समूह गान को सभागार में मौजूद लोगों द्वारा खूब सराहा गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि डॉ. भूपेश मुखीजा व डॉ. शिखा मुखीजा व विशिष्ट अतिथि के तौर पर विपुल नांगिया, डॉ. दीपिका नांगिया, रजनी मदान ने शिरकत की। डॉ. मुखीजा ने कहा कि विद्यालय द्वारा छात्रों के उन्नति एवं विकास के तहत उठाए गए कदम एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए कार्यक्रम सराहनीय है। रजनी मदान ने कहा कि अभिभावक के रूप में हम सब अपने बच्चों को अधिकतम समय दें, ऐसा करने से बच्चों का अपने अभिभावकों से मजबूत जुड़ाव होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपिका नांगिया ने यू.के.जी. के बच्चों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी की सराहना की। विद्यालय प्रधानाचार्य रोहित पंडा ने छात्रों के सर्वांगीण विकास के तहत निकट भविष्य की कार्य योजनाओं से परिचित कराया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अलावा मुख्याध्यापक एसपी सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक, बरसर ओपी कुमार, कोऑर्डिनेटर पूजा वाधवा, मीनू मालिक, सुमित कौर, अन्ना अग्रवाल आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शहीद रणबीर की प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

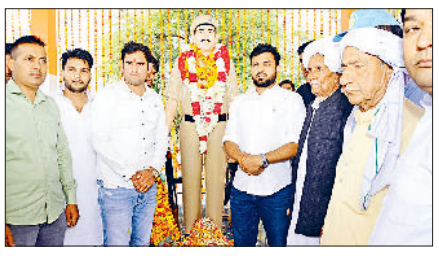

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए।

बली कुतुबपुर गांव में सरकारी स्कूल के पास शहीद रणबीर सिंह गुर्जर की प्रतिमा और भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापित की। चौक का नाम श्रीराम चौक रखा गया। यहां 70 फीट ऊंचा तिरंगा भी लगाया गया। रविवार को मूर्ति स्थापना के अवसर पर हवन यज्ञ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे। सरपंच और ग्रामीणों ने फूलमाला और पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। विधायक ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना की और शहीद रणबीर सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। रागनी प्रतियोगिता में कलाकारों ने देशभक्ति से जुड़ी रागनियां सुनाईं। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि शहीद रणबीर सिंह ने शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हरियाणा पुलिस में भर्ती हुए थे। साल 2000 में गुरुग्राम सेक्टर 7 के नाके पर तैनात थे। वहीं, असामाजिक तत्वों से मुठभेड़ में गोली लगने से शहीद हो गए। सरपंच ने बताया कि शहीद स्मारक और पार्क बनाया गया है। इसमें शहीद रणबीर सिंह की प्रतिमा स्थापित की गई है। मौके पर एसईपीओ अनिल कुमार, नफे सिंह गुर्जर, सरपंच प्रतिनिधि सुनील पुरखास, अजित आहुलाना, भाजपा नेता आजाद नेहरा, नरेंद्र डिकाडला, मोई सरपंच कृष्ण, मेहर सिंह सरपंच, अमित सरोहा, नफा नंबरदार, बिजेंद्र शेखपुरा, यशपाल बाबा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्री गोशाला समिति ने किया सम्मानित

गन्नौर। छोटी मंडी के निकट स्थित श्री गोशाला में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गोशाला में दान देने वाले दानवीरों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक देवेंद्र कादियान व गोशाला समिति के अध्यक्ष कृष्ण राठी ने दानवीरों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, क्योंकि गाय हमारी मां की तरह पौष्टिक दूध के माध्यम से हमारा पोषण करती है और बदले में हमसे कुछ नहीं मांगती। गाय को समृद्धि, खुशहाली व उन्नति का प्रतीक माना जाता है। इसलिए अपनी नेक कमाई का कुछ हिस्सा गोमाता की सेवा के लिए समर्पित अवश्य करना चाहिए। समिति के पदाधिकारियों ने विधायक देवेंद्र कादियान को भी सम्मानित किया।

संग्रहालय पहुंचे बिहार के मंत्री, जाना इतिहास

सोनीपत। संग्रहालय में पहुंचे बिहार के मंत्री साथ में अन्य।

सोनीपत। बिहार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री मोतीलाल प्रसाद स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय पहुंचे। उनका सोसाइटी फॉर द डेवलपमेंट एंड ब्यूटीफिकेशन ऑफ द सोनीपत टाउन के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने स्वागत किया और महाभारत काल से संबंधित जानकारी दी। मंत्री ने प्राचीन इतिहास को जानकर काफी प्रशंसा की और कहा कि महाभारत के पांच गांव के रूप में यह स्थल जाना जाता है। यहां पर यह रखी गई वस्तुएं भविष्य में देश-दुनिया से पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। मंत्री प्रसाद ने बताया कि वह बिहार में इस संग्रहालय से संबंधित चर्चा जरूर करेंगे। वहां उनके राज्य में भी अशोका से लेकर बोधगया तक बहुत कुछ पुराना इतिहास है। जिस तरह इस संग्रहालय को स्थापित किया है इसी तरह बिहार में कार्य हो सकता है।

खबर संक्षेप

आज का काम कल पर मत छोड़ें : अश्विनी

गोहाना। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा शहर में गुढ़ा रोड पर संचालित गीता विद्या मंदिर में रविवार को दूसरी व अंतिम प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। 250 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी परीक्षा में सफल होने के लिए आज का काम कल पर मत छोड़ें। विद्यालय द्वारा उनको लेखन व याद करने का जितना भी काम किया जाता है उसे रोजाना पूरा कर लें। इससे विद्यार्थी पर एक साथ पढ़ाई का ज्यादा दबाव नहीं बढ़ेगा और वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को सफल बनने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया।

शिविर में एकत्रित हुआ 130 यूनिट रक्त

खरखौदा। गांव सैदपुर में 23 मार्च को हर साल की तरह शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह युवा कमेटी गांव सैदपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदाताओं ने 130 यूनिट रक्त का योगदान किया। समिति प्रधान संदीप मोनू , विक्की, डॉ. हरि, श्रीपाल पवार, जसबीर, डॉ. देवेंद्र देशवाल, धर्मवीर दहिया, धम्मल फौजी और सैदपुर पुलिस चौकी इंचार्ज अशोक आदि मौजूद रहे। कमेटी प्रधान संदीप मोनू ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रक्तदान से हमारा शरीर ठीक रहता है और किसी जरूरतमंद की रक्त संबंधी जरूरत पूरी हो जाती है।

साइकिल यात्रा पर निकले महेश का स्वागत किया

सोनीपत। रेवाड़ी से हांगकांग के लिये साइकिल यात्रा पर निकले महेश कुमार का आज शहीदी दिवस पर अरूण मलिक व जन अभियान फाउंडेशन द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर अरुण मलिक ने रक्तदान भी किया। सभी रक्तदाताओं से साइकिल चलाओ प्रदूषण भगाओ अभियान को अपनाने की और रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान महेश की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई।

गुरुकुलम, जुआं में 16वां वार्षिकोत्सव मनाया

गुरुकुल शिक्षा प्रणाली हमारे संस्कारों की जननी सामाजिक व्यवस्था का आधार : डॉ. अरविंद शर्मा

- अभिभावकों के प्रति सम्मान के विचार युवाओं में लाना समय की मांग
- शर्मा ने कहा आजादी आर्य समाज का आंदोलन में बड़ा योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वैदिक शिक्षा की कालजयी परम्परा के तौर पर गुरुकुल हमेशा से राष्ट्र व समाज को सशक्त बनाने वाले युवाओं को तैयार करने में अहम योगदान दे रहे हैं। वैदिक काल से ही युवा पीढ़ी में संस्कार कूट-कूटकर भरने व सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। आज हमें इस गुरुकुल परम्परा को भरपूर मान-सम्मान देते हुए युवाओं व अभिभावकों को इसमें भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना है।

रविवार बाद दोपहर प्रदेश के सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने वैदिक ज्ञान योग महाविद्यालय गुरुकुलम, जुआं के 16वें वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आर्य समाज का आजादी आंदोलन में बड़ा योगदान रहा। इस विचार पर चलते हुए महापुरुषों ने न केवल राष्ट्रभाव को प्राथमिकता देते हुए एकजुटता को विस्तार दिया, वहीं वैदिक काल की गुरुकुल व्यवस्था को निरन्तर बढ़ावा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि भारत में गुरूकुल व्यवस्था ने ज्ञान के सभी क्षेत्रों से विद्यार्थियों को जोड़ा है। इसी ज्ञान के बूते हमारे युवाओं ने दुनिया में भारतीय विद्वता का झंडा लहराया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अपना संबोधन रखते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सोनीपत। गुरुकुलम में गायों को चारा खिलाते हुए मंत्री डॉ. शर्मा एवं अन्य।

लार्ड मैकाले की शिक्षा व्यवस्था बदली

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गुरूकुल शिक्षा एक युवा के अंदर संस्कार की जननी की भूमिका निभाती है। इसमें मानव निर्माण से लेकर संस्कृति को बचाते हुए ऋषि परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा व्यवस्था को बदलते हुए आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से युवाओं को परम्परा व विज्ञान से रचनात्मक तरीके से जुडऩे का अवसर दे रहे हैं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गुरुकुलम जुआं के संस्थापक संचालक आचार्य वेदनिष्ठ, स्वामी धर्मदेव, स्वामी सर्वानंद, मेजर सतपाल सिंधु, बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रोफेसर सुदेश, आचार्य वेदव्रत, मास्टर सुरजीत प्रधान, भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जुआं सरपंच विनोद कुमार, जगबीर, प्रदीप लारा, संजीव आर्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र मुदगिल, नरेन्द्र सरपंच सिटावाली, संजय पूर्व सरपंच, हरिओम, जगदीप, देवेंद्र सूरा आदि उपस्थित रहे।

यूनियन कमेटी के संयोजक बनाए गए जोगिंदर शर्मा

सोनीपत। शहीदों को नमन करते सीटू नेता साथ में वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मजदूर संगठन सीटू से संबंधित मिड डे मील वर्कर्स यूनियन जिला सोनीपत की जनरल बॉडी मीटिंग पंचायत भवन सोनीपत में संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता जोगिंदर शर्मा ने की। मीटिंग में सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की देखरेख में 7 सदस्यीय जिला कमेटी बनाई गई जिसमें जोगिंदर शर्मा को संयोजक, सुमन सैनी को सह संयोजक, सीमा, रजनीश, नवीन, सोनिया, मीना आदि की सर्व सम्मति से जिला कमेटी चुनी गई और शहीदी दिवस भी मनाया गया। भगत सिंह के सपनों का भारत बनाने एवं मानव के द्वारा मानव का शोषण बंद हो इस बात को लेकर आंदोलन एवं अभियान चलाया जाएगा। सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि

- पंचायत भवन में मिड-डे-मील वर्कर्स यूनियन की जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित

पिछले 12 वर्ष से केंद्र सरकार ने मिड डे मील वर्करों के मानदेय में एक पैसे की बढ़ोतरी नहीं की है। जिस कारण देशभर की मिड डे मील वर्करों में केंद्र व राज्य सरकार के प्रति रोष बना हुआ है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि मिड डे मील वर्कर्स को पक्के कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। मिड डे मील वर्कर्स को 10 महीने का मानदेय मिलता है, उन्हें पूरे 12 महीने का मानदेय वर्कर्स को दिया जाए, बकाया मानदेय तुरंत जारी किया जाए,सामाजिक सुरक्षा की गारंटी दी जाए, बेगार प्रथा पर रोक लगाई जाए। मीटिंग को जोगीन्द्र शर्मा, सुमन सैनी, रजनीश, सीमा आदि ने संबोधित किया।

प्रथम कीडाथन प्रतियोगिता हुई संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल में प्रथम कीडाथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 3 से 8 वर्ष तक के 400 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में खेल स्पर्धाएं हुई। हीरो रेस में प्रथम आरुष, द्वितीय मासूम, तृतीय मुक्तांश, ईटिंग रेस में प्रथम आरुष, द्वितीय रिवान, तृतीय यश, बाल कलेक्शन रेस में प्रथम आरुष पुत्र सचिन, द्वितीय आरुष पुत्र सतीश कुमार, तृतीय वरुध्दि, बैग पैकिंग रेस में प्रथम सचिन, द्वितीय दांश, तृतीय श्रेष्ठ, बाटल फिलिंग रेस में प्रथम जय, द्वितीय दिव्या, तृतीय देविका, वर्ड बिल्डिंग रेस में प्रथम परीक्षित, द्वितीय दक्ष, तृतीय हर्षित, लेमन रेस में प्रथम युग, द्वितीय लविश, तृतीय शनाया, हर्डल रेस में प्रथम शिवम, द्वितीय तनिष्क, तृतीय रौनक व सैक रेस में प्रथम विवान, द्वितीय देवांश, तृतीय अमृत रहे। प्रतियोगिता में प्राचार्या रजनी शर्मा, भीम अवार्डी इंस्पेक्टर नवीन मोर सहित अन्य अतिथियों ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को साइकिल, द्वितीय स्थान पर रहने वालों को स्टडी टेबल और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रियोन कलर्स दिए गए। उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए शिक्षकों और कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

गन्नौर। सम्मानित करते प्राचार्या रजनी शर्मा, भीम अवार्डी इंस्पेक्टर नवीन मोर, स्वाति चौहान व अतिथिगण।

गांवों का विकास पहली प्राथमिकता : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

हल्का विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ रहेंगे। ग्रामीण अपनी समस्याएं बेहिचक बताएं, समाधान प्राथमिकता है। गांवों का विकास सबसे जरूरी है। सभी मिलकर विकास की नई लकीर खींचें। विधायक रविवार को रसूलपुर, ग्यासपुर, पबनेरा, पीरगढ़ी, उमेदगढ़, रामनगर और धतूरी गांव में जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने भारी बहुमत से विजयी बनाकर चंडीगढ़ भेजने पर ग्रामीणों का आभार जताया। गांव के मुखियाओं ने विकास कार्यों को लेकर मांग पत्र सौंपे। उप स्वास्थ्य केंद्र, चौपाल, राजकीय स्कूल अपग्रेड, गली-नाली निर्माण, लाइब्रेरी और कच्चे रास्तों को पक्का कराने की समेत अन्य मांग रखी। विधायक ने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार के सहयोग से क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। विधायक ने कहा कि चुनाव से पहले वादा किया था कि खादर क्षेत्र की अनदेखी नहीं होगी। विधायक बनने से पहले ही अपनी कार्यशैली दिखा दी थी। इस दौरान विधायक ने गांव शाहपुर तगा से गौशाला जाने वाले रास्ते के निर्माण का नारियल तोड़कर शिलान्यास किया। इस पर करीब 40 लाख रुपये की लागत आई है। इस अवसर पर बीडीपीओ पूनम चंदा, अनिल कुमार ब्लॉक समिति चाइरमैन, रामनगर सरपंच सुदेश कुमारी, पीरगढ़ी सरपंच संदीप कश्यप, पबनेरा सरपंच पूनम, रसूलपुर सरपंच नीलम सैनी, ग्यासपुर सरपंच विनोद, उमेदगढ़ सरपंच टिंकू, राधेश्याम त्यागी, जगरोशन, भोपाल नम्बरदार, नरेंद्र यादव, राजीव त्यागी, अजय त्यागी मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान शहपूरथला में गोशाला वाले रास्ते का शिलान्यास करते हुए ।

जाखोदा क्रिकेट टीम ने जीती ट्राफी और 51 हजार रुपये का पुरस्कार

खरखौदा। विजेता टीम को पुरस्कृत करते हुए आयोजक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

बाबा हरिदास क्रिकेट अकैडमी खरखौदा में कोच प्रवेश दहिया और उनकी टीम ने बाबा हरिदास कॉर्पोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया। जिसमें 16 टीमों ने हिस्सा लिया। अपने-अपने लगातार तीन-तीन मैच जीत कर राजीव गांधी क्रिकेट क्लब रोहतक और जाखोदा टीम ने फाइनल में जगह बनाई। रविवार को फाइनल मैच खेला गया। जिसमें जाखोदा टीम ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब रोहतक को 42 रन से हरा दिया। विजेता जाखोदा टीम को 51000 रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं रनरअप टीम राजीव गांधी क्रिकेट क्लब रोहतक को 21000 रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

साप्ताहिक अभियान में संगठन ने 19 पौधे रोपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अपने साप्ताहिक अभियान में रविवार को विभिन्न किस्मों के 19 पौधे रोपे। पौधारोपण महम मार्ग पर फुटपाथ की खाली जगह में किया गया। संगठन के सदस्यों ने नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया ताकि उनको बेसहारा पशु न चर सकें। इस अभियान में नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की देखभाल भी की गई। पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के साथ टैंकर की सहायता से सिंचाई भी की गई। पौधारोपण में मनोज कुमार, सुनील, मुकेश, मास्टर बलराज नरवाल, सुरेंद्र पांचाल, सचिन, बलजीत जांगड़ा, प्रवीन, साहिल और जगदीश ने अपनी सेवाएं दी और नागरिकों को पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया।

होनहार छात्रों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। खेड़ी रोड स्थित बीआर ग्लोबल स्कूल में प्री-प्राइमरी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल व शिक्षकों ने प्रशस्ति पत्र, पदक और उपहार देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया और विद्यालय की शिक्षण पद्धति की सराहना की। चेयरमैन राकेश यादव ने कहा कि स्कूल के शिक्षकों व छात्रों की मेहनत का परिणाम है कि स्कूल के छात्रों ने वार्षिक परीक्षा के परिणाम में बेहतर स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन किया है। छात्रों ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत के लिए आभार प्रकट किया।

सोनीपत। विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ व अभिभावक।

झंडा पूजन और गदा पूजन पर पहुंचे कमल दीवान

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें कांग्रेस नेता कमल दिवान एवं अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कच्चे क्वार्टर मार्केट स्थित श्री हनुमान मंदिर में रविवार को झंडा पूजन एवं गदा पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल दीवान ने शिरकत की। उन्होंने अन्य साथियों के साथ विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाई और हवन में आहुति दी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल दीवान ने कहा कि श्री हनुमानजी के शौर्य की प्रतीक उनकी गदा है। जिसके उपयोग से हनुमान ने बलाढ्य असुरों का संहार कर प्रभु श्री रामचंद्र के राम राज्य के कार्य में योगदान दिया। महाभारत के युद्ध में भी हनुमान जी ने अर्जुन के रथ पर सूक्ष्म रूप में विराजमान होकर पांडवों को युद्ध में विजयी होने हेतु सहायता की। उन्होंने भक्तों को कहा कि आज पुनः एक बार राम राज्य स्थापना हेतु हमें श्री हनुमान व उनके शौर्य रूपी आशीर्वाद की आवश्यकता है। इस अवसर पर संजय अरोड़ा प्रधान, लवली कैशियर, अविनाश मलिक, विपुल भल्ला, दीपू, प्रेम धमीजा, प्रेम रेलन, ओमप्रकाश मुंजाल, मनीष तनेजा इत्यादि मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शहीद दिवस पर कार्यक्रम

कांग्रेस भवन में शहीद भगत सिंह को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शहीद दिवस के अवसर पर कांग्रेस भवन, सुभाष चौक में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक ने कहा कि अमर शहीदों के विचार हमारी अनमोल धरोहर हैं, जिन्हें सहेजकर रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए देश को मजबूत बनाना है। वरिष्ठ नेता कमल दीवान ने कहा कि क्रांतिकारियों ने आजाद भारत का सपना साकार करने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। अब हमारी जिम्मेदारी है कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखें। प्रवक्ता राकेश सौदा एडवोकेट ने कहा कि शहीदों के बलिदान की बदौलत हम आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं और स्वतंत्र रूप से अपनी दिशा तय कर पा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यकारी मेयर राजीव सरोहा, एचपीएससी के पूर्व सदस्य सुरेंद्र शर्मा, एससी सैल अध्यक्ष दयानंद वाल्मीकि, जिला कार्यालय सचिव प्रेमनारायण गुप्ता, पार्षद नवीन, सरदार इंद्रपाल, बिन्नी भारद्वाज सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनीपत। शहीदों को नमन करते धर्मपाल मलिक, कमल दीवान एवं अन्य।

सोनीपत। रक्तदान करते कांग्रेस नेता कमल दिवान व अन्य।

शिविर में कांग्रेस नेता कमल दिवान सहित 71 ने किया रक्तदान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा बाईपास रोड पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता कमल दीवान रहे। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर शिविर का उद्घाटन किया और युवाओं से वर्ष में चार बार रक्तदान करने की अपील की। शिविर का आयोजन राहुल मलिक ने किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि इस शिविर में 71 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य संजय बड़वासनी, प्रदीप मोर, अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, मोहित मलिक, अर्जुन राणा, आशीष मलिक, कबड्डी स्टार विजय मलिक, गौरव दहिया, रजत भूरा, हरिपाल मलिक और मोहित भूरा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गांव में लोगों के घरों बाहर लगाए नशा विरोध स्लोगन

सोनीपत। गांव कटवाल में नशा विरोध अभियान के तहत संगठन के पदाधिकारी एवं ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव कटवाल में नशा विरोधी अभियान चलाया गया। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन द्वारा चलाए गए अभियान का नेतृत्व मास्टर हिम्मत व अशोक द्वारा किया गया। अभियान में गांव में कई रोज पहले लोगों से नशा विरोधी पोस्ट के लिए फंड इकट्ठा किया गया था, इस फंड से उसी व्यक्ति के नाम नशा विरोधी स्लोगन मकान पर लगाया गया। इस कार्यक्रम में महावीर, खुशीराम, राजेंद्र, जयनारायण, अजमेर, जिलेसिंह, पहलवान, राकेश, वीरेंद्र, संसार सिंह, विकास, सुरेंद्र, संसार सिंह, डॉ. सतपाल, दिलबाग आदि गांव के नागरिकों के नाम पोस्टर बनवाए गए और इनके अतिरिक्त गांव के बल्लू, कृष्ण, उमेद सिंह, दलवीर, जय प्रकाश, श्रीभगवान, सतीश आदि लोग भी पूरे कार्यक्रम में शामिल रहे।